गन्ना कृषक माह जून में क्या करें!

1– बसन्तकालीन व देर बसन्तकालीन में यदि यूरिया की टॉपड्रेसिंग शेष रह गयी हो तो सिंचाई उपरान्त 50 कि0ग्रा0 नत्रजन/हे0. (110 कि0ग्रा0 यूरिया) की टॉप ड्रेसिंग करें। ध्यान रखें कि उर्वरक की पूर्ण मात्रा जून तक अवश्य डाल दें इससे उर्वरक का पौधे भरपूर प्रयोग करते हैं व किल्ले कम मरते हैं। वर्षाकाल में यूरिया का प्रयोग करने से उसका अधिकांश भाग नष्ट हो जाता है और अपेक्षित लाभ नहीं मिलता है।

2– पेड़ी गन्ना में शेष 90 कि0ग्रा0 नत्रजन/हे0 (200 कि0ग्रा0 यूरिया) की जड़ के पास सिंचाई उपरान्त टॉपड्रेसिंग करें।

3– शरद्कालीन गन्ने में एक हल्की मिट्टी चढ़ायें ताकि गन्ना बढ़वार के साथ न गिरे और देर से निकलने वाले किल्ले न निकलें। जुताई उपरान्त निकलने वाले किल्लों से उस वर्ष गन्ना नहीं बन पाता है।

4– वर्षा न होने की दशा में पूर्व माह की भॉति 15–20 दिन पर आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई करते रहें।

5– चोटी बेधक व तना बेधक कीट के जैविक नियंत्रण हेतु 2.5 ट्राइकोग्रामा कार्ड्स/हे0 पाक्षिक की दर से प्रत्यारोपित करें। इस कार्य को जून के अन्तिम सप्ताह से सितम्बर तक अवश्य करें।

6– यदि चोटीबेधक कीट की तितली खेतों में पुनः दिखाई दे तो फ्यूराडॉन 3जी0 का 30कि0ग्रा0/हे0 नमी की दशा में जड़ के पास जून के अन्तिम सप्ताह से जुलाई के प्रथम सप्ताह के मध्य में प्रयोग करें। दवा के प्रयोग के समय नमी रहना आवश्यक है।

चीनी, गुड़, अल्कोहल, चारा । गन्ना जग में सबसे न्यारा।।